सुविचार

मनुष्य की वि उसका अस्त्र, धर्म उसका रथ, सत्य उसका सारथी और भक्ति रथ के घोड़े होते हैं।

दैनिक पंचकूला ऑब्जर्वर

सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 84 | पंचकूला। वीरवार, 30 अप्रैल 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

एक नजर

सीएम नायब सैनी ने पंचकूला में जारी किया भाजपा का संकल्प पत्र, 20 वर्षों से रहने वाले परिवारों को मिलेगा ये बड़ा फायदा

पंचकूला. मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज पंचकूला में भाजपा के प्रदेश कार्यालय पंचकमल के अटल सभागार में नगर निकाय चुनाव के लिए भाजपा के संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) का विमोचन किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार, रणबीर गंगवा, विपुल गोयल, राज्यसभा सांसद कार्तिक शर्मा, कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा, पूर्व स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता, पूर्व मंत्री कँवर पाल गुज्जर, पंचकूला से भाजपा के मेयर प्रत्याशी श्याम लाल बंसल भी संकल्प पत्र के विमोचन के अवसर पर मंच पर मौजूद रहे। भाजपा के इस विजन डॉक्यूमेंट में शहरी विकास, बेहतर प्रशासन और नागरिक सुविधाओं पर विशेष जोर दिया गया है। पंचकूला के लिए जारी घोषणाओं में खड़क मंगोली में करीब 300 करोड़ रुपये की लागत से 2100 फ्लैट बनाकर पुनर्वास योजना लागू करने का वादा किया गया है। साथ ही 20 वर्षों से अधिक समय से रह रहे परिवारों को मालिकाना हक देने की बात कही गयी है। स्वच्छता और जल प्रबंधन के तहत 160 करोड़ रुपये की लागत से पांच नए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाये जाएंगे और कचरा प्रबंधन पर 100 करोड़ खर्च किये जाएंगे। महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट और आधुनिक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। यातायात सुधार के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग-05 पर फ्लाईओवर और घग्गर नदी पर पुल निर्माण की योजना है। इसके अलावा मॉडल स?कें और मल्टीलेवल पार्किंग भी बनायी जाएंगी। खेल और शिक्षा के क्षेत्र में विश्वस्तरीय शूटिंग रेंज और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण प्रस्तावित है, जबकि स्मार्ट लाइब्रेरी और पार्क में आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। कार्यक्रम के दौरान कई नेताओं ने भाजपा का दामन भी थामा। कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा पहले ही पार्टी का घोषणा पत्र जारी कर चुके हैं। कुल मिलाकर, चुनावी मुकाबला अब पूरी तरह रोचक होता नजर आ रहा है।

नशा छुड़ाओ केंद्र में युवक की संदिग्ध मौत, हिरासत में मालिक

अमृतसर. अमृतसर के गांव मानावाला में मौजूद जीवन जागृति नशा मुक्ति केंद्र में एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो जाने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन से इंसाफ मांगा है। वहीं पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और नशा मुक्ति केंद्र के मालिक को हिरासत में ले लिया गया है। जानकारी देते पीड़ित परिवार की सदस्य रितु ने बताया कि उसका भाई सनी शर्मा, जिसकी उम्र करीब 35-36 साल थी, कुछ समय से डिप्रेशन से जूझ रहा था और उसकी देखभाल के लिए उसे इस केंद्र में भर्ती कराया गया था। उसके मुताबिक वह नशा नहीं करता था, उसे सिर्फ मानसिक तनाव के कारण यहां रखा गया था। परिवार का कहना है कि सेंटर ने रात में फोन करके बताया कि सनी की मौत हो गई है। परिवार ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जब उन्होंने सेंटर से फुटेज मांगी तो उन्हें बताया गया कि कैमरे बंद हैं, जिससे उनका शक और बढ़ गया है। उन्होंने यह भी कहा कि एक कमरे में 15-20 लोगों को रखा जाता है, जिससे सिक्योरिटी पर सवाल उठते हैं। परिवार का दावा है कि यह सिर्फ सुसाइड नहीं हो सकता, बल्कि इसके पीछे कोई साजिश भी हो सकती है। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतक के गले पर रस्सी के निशान मिले हैं और मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। पुलिस सेंटर के मालिक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है और वहां मौजूद दूसरे लोगों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

बीजेपी वर्कर की गोली मारकर हत्या, 9 राउंड फायर किए, पिछले साल हुआ था भाई का मर्डर

नई दिल्ली. महाराष्ट्र के पुणे में देहू रोड पर बुधवार को कुछ अज्ञात हमलावरों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मृतक की पहचान रमेश रेड्डी के रूप में हुई है, जो पार्टी के एक सक्रिय कार्यकर्ता थे। हमलावरों ने कथित रूप से उन पर नौ राउंड गोलियां चलाई। एक गोली उनके सिर में लगी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत इलाज के लिए देहू रोड स्थित आधार अस्पताल ले जाया गया , जहां डॉक्टरों ने इलाज शुरू होने से पहले ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से इलाके में दहशत और तनाव फैल गया। रेड्डी की मौत की सूचना मिलते ही उनके रिश्तेदार और समर्थक अस्पताल में जमा हो गए और उन्होंने अपना दुख एवं आक्रोश जाहिर किया। विरोध प्रदर्शन करते हुए उन्होंने पुराने पुणे-मुंबई हाईवे को जाम करने की कोशिश की तथा हमलावरों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने का प्रयास कर रही है। इलाके में तनाव को और बढ़ने से रोकने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस हत्या का कनेक्शन पिछले साल हुई उनके भाई विक्रम गुरुस्वामी रेड्डी की हत्या से भी जोड़ा जा रहा है। विक्रम रेड्डी की एक जन्मदिन पार्टी के दौरान गोलीबारी में मौत हो गई थी, जहां विवाद किसी और के बीच हुआ था लेकिन वे इसका शिकार बन गए थे।

सड़क हादसे में 12 मजदूरों की मौत, हाइवे पर मची चीख पुकार

नई दिल्ली. मध्यप्रदेश के धार जिले में बुधवार रात मजदूरों को ले जा रहा एक पिकअप वाहन पलटकर एक एसयूवी से टकरा गया, जिससे 12 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह हादसा रात करीब साढ़े आठ से नौ बजे के बीच चिकल्या फाटा के पास हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, धार जिले के बग्गड़ क्षेत्र से करीब 35 मजदूर पिकअप वाहन में सवार होकर अपने घर लौट रहे थे, तभी चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद वाहन पलट गया और सामने से आ रही एक एसयूवी से टकरा गया। धार के प्रभारी कलेक्टर अभिषेक चौधरी ने बताया, 12 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 20 अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया है।

तीसरी बार गर्भधारण पर भी मिले मातृत्व अवकाश, मद्रास हाई कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

पंचकूला ऑब्जर्वर

चेन्नई। मद्रास हाई कोर्ट ने कहा कि सरकार को मातृत्व लाभ, विशेष रूप से तीसरी गर्भावस्था के लिए कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश की स्वीकृति में कोई भेदभाव नहीं दिखाना चाहिए। पीठ ने कहा कि 12 सप्ताह के अवकाश की अवधि को सरकार की ओर से सीमित करने में कुछ उचित नहीं है।

पहली, दूसरी हो या तीसरी गर्भावस्था हो उसमें पीड़ा समान होगी और महिलाओं को प्रसव पूर्व और प्रसव पश्चात देखभाल की आवश्यकता होती है। यह सभी गर्भावस्थाओं के लिए समान है। इसलिए, सरकार को मातृत्व लाभ, विशेष रूप से तीसरी गर्भावस्था के लिए मातृत्व अवकाश की स्वीकृति में कोई भेदभाव नहीं दिखाना चाहिए। जस्टिस आर. सुरेश कुमार और एन.सेंथिल कुमार की एक पीठ ने 28 अप्रैल को शायी निशा की याचिका को स्वीकार करते हुए यह निर्णय दिया। पीठ ने 27 मार्च 2026 को विलुपुरम के प्रधान जिला न्यायाधीश के आदेशों को रद कर दिया, जिसने याचिकाकर्ता द्वारा 2 फरवरी, 2026 से एक फरवरी, 2027 तक मातृत्व अवकाश की मांग को अस्वीकार कर दिया था।

पीठ ने जिला न्यायाधीश को निर्देश दिया कि निशा द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर विचार करें और मातृत्व अवकाश को पहले और दूसरे गर्भावस्था वाली महिलाओं के समान स्वीकृत करें, बिना 13 मार्च 2026 के सरकारी आदेश (जीओ) की परवाह किए। याचिकाकर्ता के अनुसार, उसने अपनी तीसरी गर्भावस्था के लिए मातृत्व अवकाश मांगा था, जिसे 27 मार्च, 2026 के प्रधान जिला न्यायाधीश के आदेश के माध्यम से अस्वीकार कर दिया गया था, जिसमें जीओ (एमएस) संख्या 18, मानव संसाधन प्रबंधन विभाग का हवाला दिया गया था। न्यायाधीशों ने सुप्रीम कोर्ट के एक निर्णय और मद्रास हाई कोर्ट की पीठ के निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि 21 जनवरी 2026 के पीठ के आदेश की प्राप्ति के बाद सरकार ने उस जीओ को जारी करने का निर्णय लिया। इसके तहत तीसरी गर्भावस्था के लिए मातृत्व अवकाश की अनुमति दी गई, लेकिन इसे केवल 12 सप्ताह, अर्थात तीन महीने तक सीमित कर दिया गया। पीठ ने कहा,%%इसलिए, हम मानते हैं कि तीसरी गर्भावस्था के लिए मातृत्व अवकाश लाभ को केवल 12 सप्ताह की अवधि तक सीमित करने के लिए सरकार द्वारा दिया गया यह औचित्य अस्वीकार्य है।

असम/केरलम एग्जिट पोल : असम में भाजपा की जीत की हैट्रिक तय, सभी पोल्स में बहुमत

पंचकूला ऑब्जर्वर

नई दिल्ली. असम के एग्जिट पोल के अनुमानों ने राज्य की सियासत की तस्वीर काफी हद तक साफ कर दी है। विभिन्न एजेंसियों के सर्वे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दलों को स्पष्ट बहुमत मिलता दिखाई दे रहा है। 7 प्रमुख एग्जिट पोल के औसत रुझानों में भाजपा गठबंधन को 80 से 100 सीटों के बीच बढ़त मिलती दिख रही है, जो सरकार बनाने के लिए पर्याप्त है। मैट्रिज के सर्वे के अनुसार, भाजपा को 85 से 95 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि कांग्रेस गठबंधन 25 से 32 सीटों तक सीमित रह सकता है। अन्य दलों को 6 से 12 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। वहीं आजतक एक्सिस माय इंडिया ने भाजपा को और मजबूत स्थिति में दिखाते हुए 88 से 100 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है, जबकि कांग्रेस को 24 से 36 सीटें मिल सकती हैं।

जेबीसी-टाइम्स नाउ के अनुसार भाजपा 88 से 101 सीटें जीत सकती है, जबकि कांग्रेस 23 से 33 सीटों के बीच रह सकती है। पीपल्स पल्स ने भाजपा को 83 से 91 सीटें और कांग्रेस को 23 से 31 सीटें मिलने की संभावना जताई है। पोल डायरी के अनुमान में भाजपा 86 से 101 सीटों के साथ मजबूत स्थिति में है, जबकि कांग्रेस 15 से 26 सीटों तक सिमट सकती है।

चाणक्य स्ट्रैटेजीज ने भाजपा को 88 से 98 सीटें और कांग्रेस को 22 से 32 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। वहीं पी-मार्क्यू के सर्वे में भाजपा को 82 से 94 सीटें और कांग्रेस को 30 से 40 सीटें मिलने की संभावना व्यक्त की गई है। अन्य दलों को लगभग सभी सर्वे में सीमित सफलता मिलती दिखाई दे रही है। इन एग्जिट पोल के रुझानों से यह संकेत मिल रहा है कि राज्य में भाजपा का जनाधार अभी भी मजबूत बना हुआ है और पार्टी लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी कर सकती है। दूसरी ओर, कांग्रेस के लिए यह चुनाव अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन न करने का संकेत दे रहा है। वहीं केरल के एग्जिट पोल के आंकड़े सामने आने के बाद केरल की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। विभिन्न एजेंसियों के सर्वे इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं कि इस बार राज्य में सत्ता परिवर्तन हो सकता है और कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन बढ़त बनाता दिख रहा है। एग्जिट पोल के मुताबिक, मैट्रिज के सर्वे में यूडीएफ को 70-75 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि एलडीएफ 60-65 सीटों पर सिमट सकता है।

पश्चिम बंगाल में 92.25 फीसदी वोटिंग दर्ज

पश्चिम बंगाल में संपन्न हुए चुनाव को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इसे पूरी तरह शांतिपूर्ण और ऐतिहासिक बताया है। पूरे मतदान के दौरान किसी भी प्रकार की बड़ी हिंसा, विस्फोट या राजनीतिक रूप से प्रेरित मौत की घटना सामने नहीं आई, जिसे चुनाव आयोग ने बड़ी उपलब्धि माना है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस दौरान कुल 687 गिरफ्तारियां हुईं, जिनमें विशेष मामलों में 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पूर्व बर्धमान में 74 और बैरकपुर में 76 गिरफ्तारी दर्ज की गई। सबसे अहम बात यह रही कि इस चुनाव में मतदान के दिन एक भी मौत नहीं हुई, जबकि 2016 में 7 और 2021 में 24 लोगों की मौत चुनावी हिंसा में हुई थी। सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त रही और किसी भी प्रकार का विस्फोट नहीं हुआ, हालांकि एहतियातन 1383 बम बरामद किए गए। कुल 41,000 मतदान केंद्रों पर वोटिंग हुई और लगभग 5 लाख सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। मतदान का कुल प्रतिशत 92.47 फीसदी दर्ज किया गया, जबकि लगभग 95त्न मतदान प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी और बाकी मतदाता कतार में थे। पूरी प्रक्रिया पर वेबकास्टिंग के जरिए निगरानी की गई और कंट्रोल रूम से हर 30 मिनट पर अपडेट लिया गया। पहली बार एसडीओ रैंक के अधिकारियों को रिटर्निंग ऑफिसर बनाया गया, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था और मजबूत हुई। राज्य में औसतन 92.25त्न वोटिंग दर्ज की गई है। यह आंकड़े पूरे राज्य में हुए मतदान के उत्साह को दर्शाते हैं, जहां कई जिलों में लोगों ने बड़े पैमाने पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लिया। पूर्व बर्धमान में सबसे अधिक 93.68त्न मतदान दर्ज किया गया है, जबकि कोलकाता दक्षिण में सबसे कम 87.70त्न वोटिंग हुई है। इसके अलावा हुगली में 91.89फीसदी, हावड़ा में 92.00फीसदी, कोलकाता उत्तर में 89.31त्न, नदिया में 91.80 फीसदी, उत्तर 24 परगना में 92.43 फीसदी और दक्षिण 24 परगना में 92.76फीसदी मतदान दर्ज किया गया।

निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर साधा निशाना, पंचशील समझौते और बोस के इस्तीफे को लेकर घेरा

नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को कांग्रेस की आलोचना करते हुए पंचशील समझौते का उल्लेख किया, जिसके तहत भारत ने 1954 में तिब्बत को चीन के एक क्षेत्र के रूप में मान्यता दी थी। 29 अप्रैल को भारत के लिए सड़ते हुए भाव वाला दिन बताते हुए दुबे ने खालिस्तान बनाने की घोषणा और सुभाष चंद्र बोस के कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफे की भी याद दिलाई। भाजपा नेता निशिकांत दुबे ने लिखा, कांग्रेस का काला अध्याय। 29 अप्रैल भारत के लिए एक नासूर बन चुके घाव का दिन है, जो नेहरू-गांधी परिवार की गलतियों के कारण है। 29 अप्रैल, 1954 को नेहरू जी ने चीन के साथ पंचशील समझौता इस दिन पर हस्ताक्षर किया। चीन को बंगाल के कालिम्पोंग तक आने-जाने का रास्ता दिया और इस दिन से तिब्बत चीनी शासन का केंद्र बन गया। समझौते के अनुसार भारत ने चीन को सहमति दी कि व्यापार कालिम्पोंग, सिलिगुड़ी और कलकत्ता में पारंपरिक प्रथा के अनुसार किया जा सकता है। यह समझौता 1962 में समाप्त हो गया। निशिकांत दुबे ने सुभाष

अंबाला की महिला टीचर-बेटी को घर से निकाला

पंचकूला में ससुरजनों ने दहेज के लिए सताया; बोली- पति के कई महिलाओं से संबंध

अंबाला. अंबाला शहर के शिक्षा विभाग में पी.जी.टी. के पद पर कार्यरत एक महिला ने अपने पति, सास, जेठानी और ननदों के खिलाफ दहेज के लिए प्रताड़ित करने और मारपीट करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने उसकी शिकायत और जांच रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब आगे की कार्रवाई में लगी है। अंबाला सिटी में मनाली हाउस में रहने वाली श्वेता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका विवाह 10 अक्टूबर 2016 को विकेश कुमार निवासी बरवाला, पंचकूला के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के वक्त से ही ससुराल पक्ष दान-दहेज से संतुष्ट नहीं था। शादी के तुरंत बाद सास और ननदों ने दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। श्वेता का आरोप है कि उनकी पूरी सैलरी और सोने के जेवर छीनने के लिए उनके साथ अक्सर हाथापाई की जाती थी। 31 मार्च 2019 को जब उन्होंने बेटी को जन्म दिया, तो पति और ससुराल वालों का रवैया और भी खराब हो गया। सास और ननदों ने पुत्र न होने पर ताने दिए और मांग की कि श्वेता की मां अपनी नातिन के भविष्य के नाम पर जो एफ.डी. करवाए, वह पति विकेश के नाम होनी चाहिए। श्वेता ने बताया कि उसने विरोध किया तो पति ने उन पर कसी (खेती का औजार) लेकर जान से मारने की नीयत से हमला किया, जिसमें रिश्तेदारों ने बीच-बचाव किया। शिकायत में श्वेता ने अपने पति पर अन्य महिलाओं के साथ अवैध संबंध होने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पति ने स्वयं यह बात स्वीकार की थी।

हरियाणा के पूर्व खेलमंत्री का 376 धारा जोड़ने पर विरोध

जूनियर महिला कोच सेक्सुअल हैरेसमेंट का मामला, केस ट्रांसफर की मांग

चंडीगढ़. हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह ने केंद्र शासित प्रदेश के लोक अभियोजक की उस याचिका का विरोध किया है, जिसमें उनके खिलाफ दर्ज मामले में आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार का प्रयास) को धारा 511 के साथ जोड़कर आरोपों में संशोधन करने और मामले को सत्र न्यायालय में भेजने की मांग की गई है। केंद्र शासित प्रदेश के लोक अभियोजक ने पिछली सुनवाई के दौरान चंडीगढ़ की कोर्ट में यह आवेदन दायर किया था। अभियोजन पक्ष का कहना है कि रिकॉर्ड में मौजूद सामग्री, जिसमें सीआरपीसी की धारा 164 के तहत पीड़िता का बयान और कोर्ट में दी गई, उसकी मुख्य गवाही शामिल है, आरोपी के खिलाफ गंभीर और स्पष्ट आरोप दर्शाती है। इसलिए यह मामला सत्र न्यायालय द्वारा ही सुना जाना चाहिए। वहीं, बचाव पक्ष ने इस याचिका का विरोध करते हुए इसे कार्यवाही में देरी करने की कोशिश बताया है। पूर्व मंत्री के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल को झूठा फंसाया गया है और मामले में आईपीसी की धारा 376 और 511 के तहत अपराध साबित होने का कोई ठोस सबूत नहीं है। बचाव पक्ष ने यह भी तर्क दिया कि शिकायतकर्ता ने अपनी प्रारंभिक पुलिस शिकायत में ऐसे गंभीर आरोपों का उल्लेख नहीं किया था, जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज की गई थी। साथ ही, इसी तरह का एक आवेदन पूर्ववर्ती न्यायालय द्वारा 29 जुलाई 2024 के आदेश में पहले ही खारिज किया जा चुका है। उस आदेश को न तो शिकायतकर्ता और न ही राज्य ने उच्च अदालत में चुनौती दी, इसलिए वह आदेश अंतिम माना जाता है।

उल्लेखनीय है कि चंडीगढ़ पुलिस ने पूर्व कोच की शिकायत पर 31 दिसंबर 2022 को पूर्व मंत्री के खिलाफ आईपीसी की धारा 354, 354-ए, 354-बी, 342, 506 और 509 के तहत मामला दर्ज किया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि 1 जुलाई 2022 को मंत्री ने अपने आधिकारिक आवास पर उसके साथ छेड़छाड़ की और विरोध करने पर उसे धक्का देकर उसकी टी-शर्ट फाड़ दी।

मथुरा अतिक्रमण : यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को दिलाया भरोसा

पुनर्वास योजना आने के बाद ही अतिक्रमण हटाने की होगी कार्रवाई

पंचकूला ऑब्जर्वर

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मथुरा में संजय नगर कालोनी अतिक्रमण मामले में राज्य सरकार पुनर्वास योजना तैयार करने पर काम कर रही है और पुनर्वास योजना आने के बाद ही योजना के लाभ के पात्र अतिक्रमणकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ये भरोसा उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर दिलाया।

शीर्ष अदालत ने प्रदेश सरकार के हलफनामे को रिकार्ड पर लेते हुए राज्य सरकार के खिलाफ लंबित अवमानना याचिका निबटा दी है। ये आदेश न्यायमूर्ति पंकज मित्तल और एसवीएन भट्टी की पीठ ने गत 23 अप्रैल को प्रदेश सरकार का हलफनामा देखने के बाद जारी किये। इस मामले में राज्य सरकार की कार्रवाई से प्रभावित होने वाले संजय नगर कालोनी के निवासियों ने सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की थी जिसमें कहा गया था कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को पुनर्वास नीति बनाने को कहा था लेकिन राज्य सरकार ने पुनर्वास किए बगैर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। इस अवमानना याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर मामले में हलफनामा मांगा था। गत 23 अप्रैल को प्रदेश सरकार के वकील तन्मय अग्रवाल कोर्ट में पेश हुए और उन्होंने प्रदेश सरकार की ओर से दाखिल हलफनामा कोर्ट में दिया। कोर्ट ने हलफनामे को रिकार्ड पर लिया जिसमें कहा गया था कि पहले पुनर्वास योजना तैयार की जाएगी और सिर्फ पात्र उम्मीदवारों का पुनर्वास किये जाने के बाद ही उनके अतिक्रमण हटाए जाएंगे। संजय नगर कालोनी के अवमानना याचिका दाखिल करने वाले निवासियों की ओर से पेश वकील डाक्टर राजीव शर्मा ने कहा कि जब राज्य सरकार ने हलफनामा दाखिल कर भरोसा दिया है कि वो पुनर्वास करेगी और तबतक ध्वस्तीकरण नहीं किया जाएगा तो फिर अवमानना याचिका आगे जारी रखने की जरूरत नहीं है उसे निपटाया जा सकता है। जिसके बाद कोर्ट ने याचिका निबटा दी। यह मामला सिंचाई विभाग की जमीन पर अवैध अतिक्रमण कर संजय नगर कालोनी में बने 700-800 अवैध मकानों का था जिसमें पहले चरण की मुकदमेबाजी में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को पुनर्वास नीति बनाने को कहा था और पुनर्वास नीति न बनने के बाद निवासियों ने अवमानना याचिका दाखिल की थी.

तुगलकी फैसलों से प्रदेश के किसानों की परेशानी बढ़ा रही है सरकार : सुर्जेवाला

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव, कर्नाटक के प्रभारी व राज्यसभा के सदस्य रणदीप सिंह सुर्जेवाला का कहना है कि पूरे हरियाणा में सरकारी खरीदी के नाम पर किसानों को सताने, लूटने और ठगने में सारी हद पार कर चुकी भाजपा सरकार का मन अभी भी नहीं भरा है। प्रदेश की अनाज मंडियों को किसान शोषण केंद्र बना देने के बाद, अब सीधा ही 61 खरीदी केंद्रों को बंद कर देने का काला फरमान दे डाला है। 1 अप्रैल से सरकारी खरीदी के तारीखी ऐलान के बाद से ही लगातार नायाब सरकार किसानों की हकमारी और बेजारी में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है।

एक नजर

चिंतपूर्णी-भरवाईं रोड पर दर्दनाक हादसा - कार 150 फीट गहरी खाई में गिरी, 2 की मौत

चिंतपूर्णी. हिमाचल के जिला ऊना में चिंतपूर्णी–भरवाईं मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 2 श्रद्धालुओं की मौत की जानकारी सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक पंजाब के लुधियाना से आए श्रद्धालु माता चिंतपूर्णी मंदिर में माथा टेककर घर लौट रहे थे, तभी उनकी कार भरवाईं के पास अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। कार खाई में गिरते ही उसमें भयंकर आग लग गई। कार का नंबर पीबी–10–के–7531 है और कार पंजाब के लुधियाना से पंजीकृत है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के दौरान कार खाई में गिरते समय एक सवार बाहर जा गिरा, जिसकी मौके पर ही गंभीर चोटों से मौत हो गई। वहीं, खाई में गिरने के बाद कार में अचानक आग लग गई, जिससे अंदर फंसे 1 अन्य शख्स की जिंदा जलने से मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत टीमें मौके पर पहुंचीं और शवों को खाई से बाहर निकाला गया। पुलिस अधीक्षक सचिन हिरेमठ ने बताया कि हादसे के कारणों की गहन जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर वाहन के अनियंत्रित होने की बात सामने आ रही है, लेकिन अन्य सभी पहलुओं को भी खंगाला जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री बिट्टू धमाके वाली जगह पर पहुंचे, कहा-पंजाब को अस्थिर करना चाहते हैं उपद्रवी

पटियाला। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू बुधवार को उस जगह पर पहुंचे, जहां पर जोरदार धमाका हुआ था। यह धमाका पटियाला के बथोनिया गांव के पास राजपुरा–शंभू रेल ट्रैक पर हुआ था। बिट्टू ने यहां आकर पूरी स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि यह कोई मामूली धमाका नहीं था। निसंदेह यह एक बड़ा धमाका हुआ है, जिसमें बड़ी संख्या में असामाजिक तत्व शामिल थे। इन लोगों का मुख्य उद्देश्य ही पंजाब को अस्थिर करना था। पंजाब की शांति को यह लोग भंग करना चाहते थे। हालांकि, मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं कि हमारी जांच एजेसियां हर प्रकार की परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि आईएसआई जैसे संगठन भी इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त हैं, जो पंजाब को अस्थिर करना चाहते हैं। हालांकि, मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं कि हमारी टीम ऐसा होने नहीं देगी।

केंद्रीय मंत्री ने साफ किया कि इस बात में कोई दो मत नहीं है कि पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है। इसी वजह से इन लोगों की हमेशा से ही पंजाब में नापाक नजरें रहती हैं। मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं कि हम ऐसा नहीं होने देंगे। हमारी टीम हर प्रकार की स्थिति का सामना करने के लिए तैयार है। साथ ही, आज जिन लोगों ने पंजाब को अस्थिर करने की कोशिश की, आज उनकी हालत कैसी है। यह बात किसी से छुपी नहीं है।

उन्होंने कहा कि अब हम सभी संवेदनशील स्थानों पर बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों को तैनात करेंगे। पेट्रोलिंग बढ़ाएंगे, ताकि हर प्रकार की गतिविधियों पर नजर रखी जाए। पहले ये लोग आमतौर पर इस तरह की कोशिश करते थे। वहीं, पिछले कुछ दिनों से ऐसा देखने को मिल रहा है कि अब ये उपद्रवी कानून व्यवस्था को बिगाड़ने में जुटे हुए हैं।

धान की सीधी बिजाई करने वाले किसानों को मिलेगी 1500 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि

कपूरथला. पंजाब सरकार धान की सीधी बिजाई करने वाले किसानों को 1500 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से प्रोत्साहन राशि देगी जिसके लिए 10 मई से विभाग के पोर्टल पर पंजीयन शुरू होगा। उपायुक्त आकाश बंसल ने मंगलवार को बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए किसान 10 मई से विभाग के पोर्टल पर जाकर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीयन के दौरान किसानों को अपना आधार नंबर भरना होगा और उनकी व्यक्तिगत तथा बैंक संबंधी जानकारी 'अनाज खरीद/ई–मंडीकरण' पोर्टल के अनुसार ही प्राप्त की जाएगी। किसानों को केवल अपनी सीधी बिजाई के अधीन रकबा, जिला, तहसील, गांव तथा खेवट/खसरा नंबर संबंधी विवरण देना होगा। उन्होंने जिले के किसानों से अपील की कि पानी की बचत के लिए अधिक से अधिक रकबे में धान की सीधी बिजाई को प्राथमिकता दी जाए।

इंडियन ऑयल डिपो के पास टैंकर में आग, प्रशासन के हाथ-पाँव फूले

जालंधर. जालंधर के सुच्ची पिंड में स्थित इंडियन ऑयल डिपो के पास पार्किंग में खड़े एक इंडियन ऑयल टैंकर में अचानक आग लग गई। तेज हवाओं के कारण आग ने कुछ ही देर में भयानक रूप ले लिया, जिससे घना धुआं दूर–दूर तक दिखाई देने लगा। घटना के बाद पार्किंग में मौजूद कर्मचारियों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और करीब 5 फायर ब्रिगेड गाड़ियों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने के दौरान मौके पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया और प्रशासनिक अधिकारियों के भी हाथ–पांव फूल गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार का जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन टैंकर पूरी तरह जलकर राख हो गया। टैंकर चालक राजू, जो गुरदासपुर का रहने वाला है, ने बताया कि उसने वाहन को इंडियन ऑयल डिपो के पास पार्किंग में खड़ा किया था। शुरुआती जानकारी के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और तेज हवा ने स्थिति को और गंभीर बना दिया।

आप के खिलाफ कंप्यूटर अध्यापकों का ऐलान! अब दिल्ली में होगा प्रदर्शन

■ **पंजाब में आप सरकार कंप्यूटर अध्यापकों के साथ कर रही रही वादाखिलाफी**

पंचकूला ऑब्जर्वर

लुधियाना. पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा शिक्षा विभाग में तैनात कंप्यूटर अध्यापकों के साथ की जा रही वादाखिलाफी की आवा? अब दिल्ली की सड़कों पर गूंजेगी। कंप्यूटर फैकल्टी एसोसिएशन पंजाब ने एक बड़ा रणनीतिक फैसला लेते हुए ऐलान किया है कि वे अब दिल्ली जाकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कन्वीनर अरविंद केजरीवाल के साथ–साथ %सत्याग्रह% शुरू करेंगे जिस तरह केजरीवाल ने अदालत की कार्यवाही पर न्याय न मिलने का हवाला देते हुए %सत्याग्रह% का रास्ता चुना है, उसी तर्ज पर अब कंप्यूटर अध्यापक भी उनके हर कार्यक्रम में पहुंचकर अपना विरोध दर्ज करवाएंगे। रोजाना पंजाब के एक जिले से अध्यापकों का जत्था

दिल्ली रवाना होगा और आम आदमी पार्टी द्वारा उनके साथ किए गए अन्याय की कहानी जनता को सुनाएगा। इस संबंधी जानकारी देते हुए प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार मलूका, जसपाल फतेहगढ़ साहिब, लखविंदर सिंह फिरोजपुर, परमवीर सिंह पम्मी, हरचरण सिंह और जतिंदर सिंह सोढ़ी ने बताया कि केजरीवाल अपने अधिकारों और न्याय के लिए तो सत्याग्रह कर रहे हैं, लेकिन उनकी अपनी सरकार पंजाब में हजारों कंप्यूटर अध्यापकों के अधिकारों का गला घोंट रही है। अब अध्यापक केजरीवाल के साथ–साथ चलकर दुनिया को दिखाएंगे कि %आप% सरकार की कथनी और करनी में कितना बड़ा अंतर है। अध्यापक नेताओं ने पंजाब सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 2022 के चुनावों के दौरान आम आदमी पार्टी ने अध्यापकों के भविष्य को संवारने के जो वायदे किए थे, सत्ता मिलते ही उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। केजरीवाल खुद तो न्यायपालिका पर सवाल उठाकर सत्याग्रह कर रहे हैं, लेकिन पंजाब के 6640 कंप्यूटर अध्यापकों को न्याय देने के सवाल पर उनकी पार्टी के नेता मौन धारण कर लेते हैं। नेताओं ने कहा कि अब वे हर उस जगह पहुंचेंगे जहां केजरीवाल मौजूद होंगे और उनके सत्याग्रह के साथ अपना हक मांगेंगे।

नेताओं ने रोष जाहिर करते हुए कहा कि 15 सितंबर 2022 को शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने घोषणा की थी कि कंप्यूटर अध्यापकों को दिवाली गिफ्ट के रूप में विभाग में शिफ्ट किया जाएगा और छठा पे–कमीशन लागू होगा। लेकिन आज वर्षों बीत जाने के बाद भी वह ऐलान केवल एक सियासी जुमला और छलावा ही साबित हुआ है। स्कूलों में पिछले 21 सालों से सेवाएं दे रहे अध्यापक आज भी अपने जायज हक के लिए सड़कों पर धक्के खाने को मजबूर हैं। नेताओं ने अपनी मुख्य मांगों को दोहराते हुए कहा कि कंप्यूटर अध्यापकों को बिना शर्त शिक्षा विभाग में मर्ज किया जाए और छठे पे–कमीशन का लाभ दिया जाए।

साथ ही, मृतक अध्यापकों के परिवारों को आर्थिक मदद और सरकारी नौकरी दी जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द उनकी मांगें नहीं मानीं, तो दिल्ली में केजरीवाल के साथ–साथ चलने वाला यह सत्याग्रह और तेज किया जाएगा और जल्द ही संगरूर की सड़कों पर भी बड़ा संघर्ष छिड़ेगा।

रेलवे ट्रैक धमाके के बाद विपक्ष ने पंजाब सरकार की कार्यशैली पर उठाए सवाल

पटियाला। पटियाला में शंभू–हरियाणा बॉर्डर के पास रेलवे ट्रैक पर हुए धमाके के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। सुखबीर सिंह बादल समेत विपक्ष के नेताओं ने घटना की निंदा करते हुए सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि खुफिया इनपुट के बावजूद एहतियात नहीं बरती गई। अब सीएम भगवंत मान से तुरंत सख्त कदम उठाने की मांग की जा रही है। शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया, कल रात शंभू के पास दिल्ली–राजपुरा रेलवे ट्रैक पर हुए कायरतापूर्ण धमाके की कोशिश की मैं कड़ी निंदा करता हूं।

यह साफ है कि कई दिन पहले खतरे की जानकारी मिलने के बावजूद कोई एहतियाती कदम नहीं उठाया गया। यह घटना पुलिस थानों और चौकियों पर कई धमाकों और यहां तक कि राज्य इंटेलिजेंस मुख्यालय पर आरपीजी हमले के बाद हुई है। उन्होंने कहा, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, जो गृह मंत्री भी हैं, उन्हें अपनी गहरी नींद से जागना चाहिए और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को सुरक्षित करने के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए। उनका लापरवाह रवैया पंजाब को फिर से उस पुराने अंधेरे दौर में धकेल रहा है, जो बिल्कुल भी मंजूर नहीं है।

शिरोमणि अकाली दल के महासचिव बिक्रम सिंह मजीठिया ने भी एक्स पर पोस्ट कर इस घटना की निंदा की। उन्होंने कहा, शंभू–अंबाला रेलवे ट्रैक पर जबरदस्त धमाका होने से ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे ट्रेन सेवाएं भी ठप हो गईं। सरहिंद धमाके और गुरदासपुर में संदिग्ध चीजें मिलने के बाद, बार–बार हो रही ऐसी घटनाओं से पंजाब में सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। इस हालात के बीच मुख्यमंत्री और गृह मंत्री भगवंत मान क्या कर रहे हैं?

उन्होंने कहा, अब तक कानून–व्यवस्था पर कोई साफ कार्ययोजना या उच्चस्तरीय समीक्षा नहीं हुई है। पुलिस का इस्तेमाल एक राजनीतिक हथियार के तौर पर किया जा रहा है। सुरक्षा से जुड़े फैसले जनता की सुरक्षा के बजाय राजनीतिक हितों को ध्यान में रखकर लिए जा रहे हैं। वे उन लोगों को बचाने में व्यस्त हैं जो सांसदों के घरों पर गद्दार लिखकर उन्हें बदनाम कर रहे हैं और ट्रक यूनियन के नेताओं को पनाह दे रहे हैं, जबकि आम नागरिक परेशान हो रहा है। 1980 और 1990 के दशक वाली कानून व्यवस्था की स्थिति के फिर से लौटने का डर बढ़ता जा रहा है।

मजीठिया ने कहा कि क्या कोई काम करने वाली सरकार है? इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? कार्रवाई करने से पहले और कितनी घटनाएं होनी बाकी हैं? उन्होंने कहा कि यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि एक गंभीर नाकामी को दिखाता है।

ऑस्ट्रेलिया से 15 भारतीयों को किया जा रहा डिपोर्ट, जिनमें से 11 पंजाबी, रिसीव करने जाएंगे सीएम मान

चंडीगढ़. ऑस्ट्रेलिया से 15 भारतीय नागरिकों को डिपोर्ट कर भारत भेजा जा रहा है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि इनमें 11 लोग पंजाब के हैं, जिनमें एक महिला भी शामिल है। सभी के रात में दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है और सीएम खुद उन्हें रिसीव करने के लिए राजधानी जा रहे हैं। सीएम के अनुसार, अब तक जो सूची मिली है उसमें कुल 15 लोगों के नाम हैं—11 पंजाब, 2 तेलंगाना, 1 हरियाणा और 1 उत्तराखंड से संबंधित हैं। फिलहाल सूची में केवल होम स्टेट की जानकारी दर्ज है। भगवंत मान ने कहा कि लौटने वाले लोगों से पूरी जानकारी ली जाएगी—उनके दस्तावेज कैसे बने, किन एजेंटों के जरिए विदेश गए और किन परिस्थितियों में उन्हें डिपोर्ट किया गया। जरूरत पड़ने पर विदेश मंत्रालय से भी संपर्क किया जाएगा। सरकार इस पूरे मामले की गहराई से जांच करेगी। सीएम ने कहा कि ये लोग डिपोर्टेशन की पीड़ा झेलकर वापस आ रहे हैं, इसलिए सरकार उनका सहयोग करेगी और जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा, अगर बच्चा गलती करता है तो उसे घर से नहीं निकाला जाता, बल्कि समझाया जाता है। ये हमारे अपने लोग हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कुछ लोगों पर विदेश में आपराधिक मामले दर्ज हुए हैं। सीएम ने कहा कि किसी भी देश में कानून तोड़ने पर कार्रवाई होना स्वाभाविक है और हमें इसे समझना चाहिए। सरकार इस बात की भी जांच करेगी कि कहीं लोग किसी एजेंट के झांसे में तो नहीं आए। सीएम ने कहा कि हर व्यक्ति बेहतर भविष्य के सपने लेकर विदेश जाता है, लेकिन गलत रास्ते चुनने पर परेशानी खड़ी हो जाती है। भगवंत मान ने उम्मीद जताई कि भविष्य में ऐसी स्थिति न आए और राज्य में ही रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हों, ताकि युवाओं को विदेश जाने के लिए मजबूर न होना पड़े। उन्होंने कहा, ये हमारे ही बेटे–बेटियां हैं, भले ही नाराज़ होकर गए हों, लेकिन हैं अपने ही।

बटाला को जिला बनाने की मांग पर बवाल

जिले भर के वकील मैदान में उतरे, दी सख्त चेतावनी

पंचकूला ऑब्जर्वर

गुरदासपुर. बटाला को अलग जिला बनाने की उठ रही मांग के विरोध में गुरदासपुर का समूचा वकील समुदाय एक बार फिर खुलकर मैदान में उतर आया है। इस मुद्दे को लेकर वकीलों द्वारा शुरू किए गए तीन दिवसीय संघर्ष के दूसरे दिन मंगलवार को जिला अदालतों का कामकाज पूरी तरह ठप रखा गया और वकीलों ने डिप्टी कमिश्नर कार्यालय तक रोष मार्च निकालकर पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

जिला बचाओ संघर्ष समिति और जिला बार एसोसिएशन के बैनर तले एकत्रित हुए वकीलों ने जिला प्रशासन के माध्यम से पंजाब के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि किसी भी कीमत पर ऐतिहासिक गुरदासपुर जिले को टुकड़ों में न बांटा जाए।

इस मौके पर वरिष्ठ वकील एडवोकेट मनोज लूंबा ने कहा कि पहले ही गुरदासपुर जिले को विभाजित कर पठानकोट को अलग जिला बनाया जा चुका है, जिससे जिले को आर्थिक, भौगोलिक और प्रशासनिक स्तर पर भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

उन्होंने कहा कि यदि अब बटाला को भी अलग जिला बनाया गया तो गुरदासपुर का अस्तित्व और कमजोर हो जाएगा तथा इसके गंभीर परिणाम सामने आएंगे। वकीलों ने आरोप लगाया कि केवल राजनीतिक लाभ के लिए गुरदासपुर जिले को तोड़ने की साजिश रची जा रही है, जिसे वे किसी भी सूरत में सफल नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब पहले ही भारी कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है और नया जिला बनाने से सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

नर्सिंग कॉलेज की छात्रा ने हॉस्टल के कमरे में की आत्महत्या, मौके पर फैली सनसनी!

मलोट. गांव बादल स्थित स्टेट इंस्टीच्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरा मैडीकल साइंसेज में बीती रात 20 वर्षीय एक छात्रा द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही संस्थान के प्रबंधकों ने लंबी पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। संस्थान की प्रिं. प्रभजोत कौर के अनुसार, उन्हें मंगलवार रात करीब 10 बजे सूचना मिली थी कि हॉस्टल नंबर 2 में जी.एन.एम. द्वितीय वर्ष की छात्रा तन्नू, जो कि रोपड़ जिले की रहने वाली थी, ने अपने कमरे में फंदा लगा लिया है। उन्होंने बताया कि तन्नू पढ़ाई में काफी अच्छी और मिलनसार स्वभाव की थी। वह शाम को अन्य छात्राओं के साथ ड्यूटी से वापस लौटी थी और जिस समय उसने यह कदम उठाया, वह कमरे में अकेली थी। बताया जा रहा है कि वह अक्सर अपनी दादी के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रहती थी। इस हृदयविदारक घटना के बाद घबराहट के कारण हॉस्टल की छह अन्य छात्राओं की तबीयत भी बिगड़ गई, जिन्हें तुरंत संस्थान की एम्बुलैंस से नागरिक अस्पताल बादल पहुंचाया गया। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए गिद्दड़बाहा के सरकारी अस्पताल में रखवा दिया है। लंबी के मुख्य अधिकारी इंस्पैक्टर जसवीर सिंह ने स्पष्ट किया है कि मृतका के माता–पिता के बयानों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस हॉस्टल स्टाफ और अन्य विद्यार्थियों से पूछताछ कर मामले के तथ्यों की गहनता से जांच कर रही है।

पुलिस ने 1 रॉकेट लॉन्चर, हैंड ग्रेनेड और आरडीएक्स सहित तीन पिस्तौलें पकड़ीं

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। पटियाला जिले के शंभू में 27 अप्रैल को रेलवे ट्रैक पर हुए आईईडी विस्फोट के प्रयास की जांच के दौरान पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पंजाब डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक पदार्थ पकड़े गए हैं। इससे पाकिस्तान की आईएसआई और खालिस्तान समर्थक तत्वों से जुड़ी गहरी जड़ें जमा चुकी आतंकी साजिश को एक बड़ा झटका लगा है। डीजीपी ने बताया कि पटियाला पुलिस और एसएसओसी अमृतसर ने संयुक्त अभियान में तरनतारन जिले के पंजवार खुर्द गांव से 1 रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) लॉन्चर, 2.296 किलोग्राम वजन का 1 धातु का आईईडी (डेटोनेटर और बैटरी सहित), 1.456 किलोग्राम वजन के आरडीएक्स के 2 पैकेट, 1 हैंड ग्रेनेड, मैगजीन और गोला–बारूद सहित 3 उच्च श्रेणी की पिस्तौलें और हेडफोन सहित 2 वायरलेस सेट बरामद किए हैं।

जांच से पता चला है कि इस आतंकी मॉड्यूल को मलेशिया स्थित एक संस्था का समर्थन प्राप्त था और वित्तीय सहायता मलेशिया के माध्यम से भेजी जा रही थी। सिरहिंद रेलवे ट्रैक विस्फोट और सीआईए मोगा पर हुए ग्रेनेड हमले से इस नेटवर्क के संबंधों की जांच की जा रही है। आतंकी तंत्रों को नष्ट करने, संगठित अपराध–आतंकवादी नेटवर्कों को तोड़ने और राज्य भर में स्थायी शांति, जन सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

इससे पहले शंभू में रेलवे ट्रैक पर धमाके की कोशिश के लिए जिम्मेदार चार कट्टरपंथी और अपराधियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मानसा के प्रदीप सिंह खालसा, मानसा के बप्पियाना गांव के कुलविंदर सिंह उर्फ बग्गा, तरनतारन के पंजवार के सतनाम सिंह उर्फ सत्ता और तरनतारन के गोइंदवाल बाईपास के गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी के रूप में हुई थी। आरोपियों के पास से बरामद किए गए सामान में एक हैंड ग्रेनेड, दो 30 बोर पिस्तौलें, गोला–बारूद, विस्फोटों में इस्तेमाल किए जाने वाले तकनीकी रूप से संचार उपकरण और लैपटॉप शामिल बरामद हुए थे।

पटियाला रेंज के उप महानिरीक्षक कुलदीप चहल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वरुण शर्मा ने मीडिया को बताया कि रेलवे ट्रैक पर विस्फोट के प्रयास के मामले का आतंकी मॉड्यूल का रिकॉर्ड 12 घंटे के अंदर पर्दाफाश हो गया। आरोपी खालसा इस मॉड्यूल का मुख्य सरगना था और मलेशिया स्थित खालिस्तान समर्थक आतंकवादी के साथ–साथ पाकिस्तान स्थित हथियार आपूर्तिकर्ताओं के भी करीबी संपर्क में था। आरोपी खालसा कट्टरपंथी युवाओं को आतंकी प्रशिक्षण के लिए मलेशिया भेजता था और फिर उन्हें आतंकी गतिविधियों का काम सौंपता था। आरोपी ने चलदा वहीर चक्रवर्ती, अतरिये नाम से एक कट्टरपंथी संगठन भी बनाया है।

आदर्श नगर में चिकचिक चौक के पास दिनदहाड़े गरमाया माहौल, दो पक्षों की झड़प में एक्टिवा को लगाई आग

■ **फतेह गैंग से जुड़े सदस्य और बाउंसरों में विवाद, लोगों में दहशत का माहौल**

पंचकूला ऑब्जर्वर

जालंधर. शहर के सबसे व्यस्त चौक में दिनदहाड़े बड़ी वारदात सामने आई है, जिसके बाद माहौल गरमा गया। मिली जानकारी के मुताबिक, जबरदस्त झड़प के बाद एक्टिवा को आग लगा दी गई। आदर्श नगर में चिकचिक चौक के पास एक गाड़ी और एक्टिवा में टक्कर होने के बाद दोनों पक्षों में झड़प हो गई, जिसके बाद एक्टिवा को आग लग दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची जांच में जुट गई। बताया जा रहा है कि, चौक के पास स्थित दुकान के बाहर एक गाड़ी और एक्टिवा की टक्कर हो गई। इस दौरान गाड़ी सवार बाउंसरों ने एक्टिवा सवार से पहले तो मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद फतेह गैंग से जुड़े सदस्य मौके पर पहुंचे गए जिसके बाद उनकी बाउंसरो के साथ हाथापाई और जमकर विवाद हुा।

इसके बाद उन्होंने एक्टिवा को आग लगा दी गई, जिससे वह पूरी तरह से जलकर राख हो गई। इस तरह मामूली विवाद के बाद एक्टिवा को आग लगाने का मामला इस समय गरमाया हुआ है। दिन दिहाड़े ऐसे गुंडागर्दी और एक्टिवा को आग लगाने से लोगों में दहशत का माहौल है। वहीं शहर की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि, घटना के बाद से दोनों पक्ष मौके से चले गए। वहीं मौके पर मौजूद लोगों ने कहा कि दोनों वाहनों की टक्कर के बाद एक्टिवा से तेल लीक होने होने लगा था जिसके बाद एक्टिवा सवार और गाड़ी सवार बाउंसरों में जबरदस्त बहसबाजी हुई।

यही नहीं मौके पर 3 लड़कों द्वारा जमकर हंगामा किया गया और एक्टिवा को आग लगा दी गई। कई लोगों ने मीडिया के सामने आने की शर्त पर कहा कि ये एक सोची समझी प्लानिंग के साथ वारदात की गई है। ऐसे दिन दिहाड़े गुंडागर्दी और एक्टिवा को आग लगाकर लोगों में दहशत पैदा की जा रही है।

सीएम मान और सिसोदिया ने गांवों में तैनात 1,000 पर्यवेक्षकों को संबोधित किया

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब ने बुधवार को यहां एक पर्यवेक्षकों की बैठक आयोजित की, जिसमें गांवों, वार्डों और निर्वाचन क्षेत्रों में तैनात लगभग 1,000 पार्टी पर्यवेक्षकों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री भगवंत मान और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने जमीनी स्तर पर संपर्क की समीक्षा की, समन्वय को मजबूत किया और स्पष्ट संदेश दिया कि आम आदमी पार्टी की असली ताकत उसके कार्यकर्ताओं, शासन के रिकॉर्ड और जनता के साथ गहरे जुड़ाव में निहित है। पर्यवेक्षकों की वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री मान ने कहा कि यह संवाद एक नियमित संगठनात्मक प्रक्रिया है और इसके बारे में हालिया मीडिया में चल रही अटकलें निराधार हैं।

उन्होंने सभी पर्यवेक्षकों को धन्यवाद देते हुए उन्हें पार्टी की रीढ़ और आधारशिला बताया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के पास देश में सबसे मजबूत संगठनात्मक ढांचों में से एक है, जहां नेता जमीनी स्तर पर जनता से निरंतर जुड़े रहते हैं। शासन संबंधी निर्णयों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा लिया गया प्रत्येक निर्णय जनहितैषी रहा है और एक भी नीति जनहित के विरुद्ध नहीं गई है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार जो भी सेवाएं प्रदान कर पाई है, वह सर्वशक्तिमान ईश्वर की कृपा और गुरु साहब के आशीर्वाद से ही संभव हो पाई है। उन्होंने कहा कि जागृत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक, 2026, जनता की भावनाओं का सम्मान करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एक नजर

सरकार की योजनाओं से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने के साथ गौ संरक्षण को मिल रही नई मजबूती : विधायक सावित्री जिंदल

हिसार. श्री हरियाणा कुरुक्षेत्र गौशाला में मंगलवार को चेक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान हिसार विधायक सावित्री जिंदल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर विभिन्न गौशालाओं को अनुदान राशि के चेक वितरित किए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रदेश में गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। यह कार्यक्रम न केवल गौशालाओं को आर्थिक मजबूती प्रदान करता है, बल्कि समाज में सेवा और संरक्षण की भावना को भी सुदृढ़ करता है। विधायक सावित्री जिंदल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में गौ-धन के संरक्षण के साथ-साथ प्राकृतिक खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिली है। गौशालाओं को चारा, चिकित्सा और अन्य सुविधाओं के माध्यम से निरंतर सहायता दी जा रही है, जिससे गौवंश की स्थिति में सुधार हो रहा है। उन्होंने हरियाणा गौशाला आयोग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आयोग के माध्यम से गौशालाओं के आधुनिकीकरण, गोबर गैस संयंत्रों के निर्माण और गो-आधारित उत्पादों को बढ़ावा देने जैसे कार्य किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। विधायक सावित्री जिंदल ने सभी नागरिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे गौ संरक्षण और सेवा के इस कार्य में भागीदार बनें और समाज में सकारात्मक योगदान दें। विधायक सावित्री जिंदल द्वारा विभिन्न गौशालाओं को 1 करोड़ 6 लाख 16 हजार 320 की राशि के चेक वितरित किए गए, जिनमें श्री सिद्धनाथ गौशाला बालक को 8 लाख 9 हजार 600 रुपए, श्री हरियाणा कुरुक्षेत्र गौशाला हिसार को 55 लाख 37 हजार 480 रुपए, कमल गिरी गौशाला कुलेरी को 9 लाख 95 हज़ार 440 रुपए, देवी भवन गौशाला को 9 लाख 14 हज़ार 940, रुपए, बाबा नगिना पुरी गौशाला डाया को 3 लाख 45 हज़ार रुपए, श्री योग कपिला गौशाला हिसार को 6 लाख 29 हज़ार 740, बाबा शंकर नाथ गौशाला कन्नोह 10 लाख 66 हज़ार 720 तथा सनातन आदर्श गौशाला को 3 लाख 17 हज़ार 400 रुपए की राशि के चेक शामिल हैं। इस अवसर पर रामकुमार रावलवासिया, दिनेश रावलवासिया, प्रवीण जैन, विपुल, ब्रह्मानंद, हरिसिंह बेनीवाल, सतीश अग्रवाल, वेदप्रकाश बेनीवाल, पार्षद संजय डालमिया, धर्मेंद्र टिंकू , प्रभानन्द, स्नेहलता निम्बल, संजीव बुड़ाकिया सहित गांवों के गणमान्य नागरिक, आसपास की गौशालाओं के प्रतिनिधि व बड़ी संख्या में गौ भक्त उपस्थित रहे।

9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत तथा 30 मई व 18 जुलाई को चेक बाउंस मामलों के लिए लगेगी विशेष लोक अदालत

हिसार. हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण हिसार द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत और नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट (चेक बाउंस) मामलों के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण हिसार के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि 9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा चेक बाउंस मामलों के निपटारे के लिए 30 मई और 18 जुलाई 2026 को विशेष लोक अदालतों का आयोजन किया जाएगा। सीजेएम अशोक कुमार ने बताया कि लोक अदालत एक वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली है, जिसमें पक्षकारों के बीच आपसी सहमति से विवाद का निपटारा किया जाता है। इसमें न तो किसी पक्ष की हार होती है और न ही जीत, बल्कि दोनों पक्षों के हितों को ध्यान में रखते हुए समाधान किया जाता है। इससे समय और धन दोनों की बचत होती है तथा न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ भी कम होता है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे लोक अदालत में पहुंचकर अपने लंबित मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से त्वरित निपटारा करवा सकते हैं।

सैक्टरों में घरों के सामने बनी ग्रीन बेल्ट तोड़ने के तुगलकी फरमान एचएसवीपी प्रशासन वापस ले : एसयूसीआई कम्युनिस्ट

हिसार. एसयूसीआई कम्युनिस्ट ने एचएसवीपी प्रशासन द्वारा घरों के सामने सैक्टरवासियों द्वारा विकसित की गई ग्रीन-बेल्ट को हटाने के नोटिस जारी करने पर कड़ा ऐतराज जताया है और इस तुगलकी फरमान को तुरंत प्रभाव से वापस लेने की मांग की है। पार्टी के राज्य सचिव मंडल सदस्य व जिला सचिव मेहर सिंह बांगड़ ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि ताज्जुब की बात यह है कि एकतरफ सरकार स्टिलट+4 पर दिए हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका स्क्क दायर करने की बात कर रही है। लेकिन दूसरी तरफ उसी आदेश का बहाना बना कर सैक्टरवासियों द्वारा वर्षों की मेहनत से विकसित ग्रीन बेल्टों को तोड़ने के लिए एचएसवीपी प्रशासन नोटिस जारी कर रहा है। एचएसवीपी प्रशासन अपने स्तर पर खुद तो ग्रीन बेल्ट व पार्कों को विकसित करने में नाकाम रहा है। मेहर सिंह ने यह भी कहा कि ये ग्रीन बेल्ट ना तो किसी का निजी हित साधती हैं और ना ही किसी सैक्टरवासी के आवागमन में बाधा हैं। सभी ने परस्पर साझी राय से पर्यावरण को बेहतर बनाने और सैक्टरों के प्राकृतिक सौंदर्य को बढ़ाने के लिए विकसित की हैं। सैक्टरों में मूलभूत सुविधाओं सड़क, सीवर, सुचारू पेयजल आपूर्ति का नितांत अभाव है। इस की तरफ प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है। सैक्टरों में आवारा पशु, कुत्ते व बन्दरों के हमलों के आए दिन लोग शिकार हो रहें हैं। पिछले कई सालों से सड़कों पर झाड़ू तक लगवाने में एचएसवीपी प्रशासन नाकाम रहा है।

भीषण गर्मी का कहर, गर्भवती महिलाएं और आम जन बरतें सावधानी

भिवानी. उत्तर भारत में लगातार बढ़ रहे तापमान और भीषण गर्मी ने आम जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। बढ़ती गर्मी और लू के थपेड़ों के बीच स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं और बच्चों को सचेत रहने की सलाह दी है। स्थानीय महम रोड स्थित सनफ्लैग मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के विशेषज्ञों ने गर्मी से बचाव के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सनफ्लैग अस्पताल की प्रसूति रोग विभाग की अध्यक्षा डा. साक्षी मल्होत्रा ने बताया कि बढ़ती गर्मी में गर्भवती महिलाओं को अपना और गर्भ में पल रहे बच्चे का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि गर्मी की वजह से शरीर में पानी की कमी हो सकती है, जिसका सीधा असर गर्भ में पल रहे बच्चे पर पड़ता है। ऐसे में गर्भवती महिलाओं को प्रतिदिन कम से कम 15 से 20 गिलास तरल पदार्थ (जैसे पानी, जूस, नारियल पानी और दाल का पानी) जरूर लेना चाहिए। वही दोपहर के समय बाहर निकलने से परहेज करें। गर्मी में बाहर जाने पर सिर दर्द, नाक से खून आना और ब्लड प्रेशर बढने जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। खान-पान में सावधानी बरतें, ज्यादा चटपटा खाना दस्त और पेट की समस्याओं का कारण बन सकता है। सूती (कॉटन) के कपड़े पहनें और ठंडे कमरे में रहें। अस्पताल के प्रशासक डा. राजकुमार तंवर ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में लू की वजह से अस्पताल में उल्टी, दस्त और डिहाइड्रेशन के केसों में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

सीएम नायब सिंह सैनी की पहल से नारायणगढ़ में औद्योगिक विकास को मिली रफ्तार, 450 एकड़ भूमि पर बनी सहमति

- परियोजना से आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को मिलेगा बढ़ावा
- अंबाला में पहले से आईएमटी का कार्य तेजी से जारी
- गुरुग्राम की तर्ज पर अंबाला को आधुनिक औद्योगिक हब बनाने की योजना

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। हरियाणा में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सरकार ने नारायणगढ़ में इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) स्थापित करने का निर्णय लिया है। इस पहल से न केवल क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलेगी, बल्कि प्रदेश को औद्योगिक दृष्टि से और अधिक सशक्त बनाने में भी मदद मिलेगी। इस संबंध में बुधवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से यहां नारायणगढ़ क्षेत्र के किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की और बैठक में हिस्सा लिया। आईएमटी के लिए किसानों से भूमि की दरों में संबंध में विस्तार से चर्चा की गई और किसानों ने सरकार द्वारा तय की गई दरों पर सहमति जताई। इससे आईएमटी के लिए नारायणगढ़ में लगभग 450 एकड़ भूमि उपलब्ध होगी। आईएमटी स्थापना की प्रक्रिया प्रारंभ होने पर किसानों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए उनका मुंह मीठा कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने किसानों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम क्षेत्र के आर्थिक विकास और रोजगार सृजन में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंबाला में पहले से ही आईएमटी विकसित करने का कार्य तेज गति से चल रहा है। अब नारायणगढ़ में भी आईएमटी विकसित होने से इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। गुरुग्राम की तर्ज पर अंबाला क्षेत्र को भी आधुनिक और विकसित औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आईएमटी से उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि उन्होंने बतौर वित्त मंत्री बजट में घोषणा की थी कि प्रदेश में 10 इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) स्थापित किए जाएंगे, जिनमें से मानेसर, बावल, रोहतक, फरीदाबाद, सोहना और खरखौदा में पहले ही आईएमटी विकसित किए जा रहे हैं। मिक्सी उद्योग एवं चिकित्सा उपकरण निर्माण के लिए प्रसिद्ध अंबाला अब 2 नए आईएमटी के माध्यम से अपनी औद्योगिक पहचान को और सुदृढ़ करेगा।

नारायणगढ़ में आईएमटी की स्थापना के साथ ही मुख्यमंत्री ने अपने 2025-26 के बजट अभिभाषण में की गई घोषणाओं को एक वर्ष के भीतर धरातल पर उतारकर यह सिद्ध कर दिया है कि उनकी नीतियां केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि क्रियान्वयन में भी उतनी ही प्रभावी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। इसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हुए हरियाणा सरकार भी विकसित हरियाणा बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार स्पष्ट विज़न है हर क्षेत्र का संतुलित विकास सुनिश्चित करना।

इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव तथा वित्तायुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल, एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक सुशील सारवान, उपायुक्त अंबाला अजय सिंह तोमर, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव यशपाल के अलावा, हरियाणा से आए किसानों में पूर्व चेयरमैन पवन गुर्जर, रणबीर सिंह सरपंच, राकेश, मुकेश कुमार, फकीर चंद, धनीराम, विक्की, गफ्फर नसीम, कृष्ण अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

युवाओं को रोजगार का सपना दिखाकर सरकार ने किया धोखा : सैलजा

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं सीडब्ल्यूसी सदस्य कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार पर युवाओं के साथ वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की नीतियों की एक और सच्चाई सामने आई है, जहां 60,000 युवाओं को रोजगार का सपना दिखाकर शुरू की गई योजना को मात्र 21 महीनों में ही वापस ले लिया गया। कुमारी सैलजा ने कहा है कि बड़े-बड़े दावे कर योजनाएं शुरू करना और फिर बिना ठोस परिणाम दिए उन्हें बंद कर देना यह दर्शाता है कि सरकार के पास न तो कोई स्पष्ट नीति है और न ही युवाओं के भविष्य के प्रति गंभीरता। हरियाणा का युवा पहले ही बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहा है, ऐसे में इस तरह के फैसले युवाओं के साथ सीधा अन्याय हैं।

सांसद ने कहा कि युवाओं को रोजगार देने के लिए सरकार ने 12 जुलाई 2024 को आईटी सक्षम युवा योजना शुरू की थी, यह योजना सरकार ने हरियाणा को आईटी हब के रूप में विकसित करने को लेकर की थी। जिसके तहत 18 से 35 साल के युवाओं को तीन माह की ट्रेनिंग देकर दो साल तक उन्हें 20 से 25 हजार रुपये प्रति माह मानदेय देना था। पर युवा सरकार की इस योजना को लेकर सपना ही देखते रह गए और सरकार ने अचानक योजना बंद कर दी। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि यह केवल एक योजना की विफलता नहीं, बल्कि सरकार की कार्यप्रणाली और सोच की भी विफलता है। भाजपा सरकार ने रोजगार के नाम पर केवल घोषणाएं कीं, लेकिन जब ज़मीनी स्तर पर परिणाम देने की बात आई तो पीछे हट गई। इससे प्रदेश का युवा खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। कुमारी सैलजा ने यह भी कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान सरकार ने 1,18,000 कौशल विकास योजना के कर्मचारियों को पक्का करने का वादा किया था, लेकिन आज तक वह वादा पूरा नहीं किया गया। यह कर्मचारियों और युवाओं के साथ सीधा धोखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के दावों के विपरीत प्रदेश में लगभग 2 लाख सरकारी पद आज भी खाली पड़े हैं, लेकिन उन्हें भरने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे।

पटवारी 25,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ काबू

चंडीगढ़। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो फरीदाबाद ने आज दिनांक 29 अप्रैल 2026 को बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी जावेद, हल्का पटवारी, गौच्छी (उप तहसील गौच्छी, जिला फरीदाबाद) को शिकायतकर्ता से 25,000 रुपये नकद रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस संबंध में आरोपी के विरुद्ध अभियोग संख्या 08, दिनांक 29.04.2026, धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत थाना फरीदाबाद में मामला दर्ज किया गया है। शिकायत का विवरण शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में बताया कि उसने अपने गांव फिरोजपुर कलां स्थित कृषि भूमि का आपसी तबादला अपने भतीजे कृष्ण (पुत्र रोहताश) के साथ कार्यालय सब-रजिस्ट्रार गौच्छी में कराया था। किन्तु राजस्व रिकॉर्ड में इंतकाल गलत दर्ज हो गया। इस त्रुटि को ठीक कराने हेतु उसने 24.03.2026 को तहसीलदार गौच्छी को आवेदन दिया, जिसे उसी दिन हल्का पटवारी जावेद को मार्क किया गया। जब शिकायतकर्ता अपने दस्तावेजों सहित पटवारी के पास पहुंचा, तो उसे एक अन्य पुराने इंतकाल को भी दुरुस्त कराने के लिए अलग आवेदन लाने को कहा गया। इसके बाद आरोपी काम को टालता रहा। अंततः 17.04.2026 को आरोपी ने इंतकाल दुरुस्त करने के एवज में 50,000 रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायत की जांच के बाद फरीदाबाद ने आज योजनाबद्ध तरीके से रेड कार्रवाई की। शिकायतकर्ता द्वारा आरोपी को मांगी गई राशि में से 25,000 रुपये दिए गए। जैसे ही आरोपी ने पटवार घर गौच्छी में रिश्वत राशि स्वीकार की, उसी दौरान उसे शक हो गया और उसने भीड़ का फायदा उठाकर यह राशि अपने निजी सहायक को थमा दी। रेडिंग टीम द्वारा आरोपी को मौके पर काबू कर लिया गया, जबकि उसका निजी सहायक 25,000 रुपये लेकर फरार हो गया।

एक सप्ताह से पीने का पानी नहीं मिलने से खफा होकर विद्या नगर व कीर्ति नगरवासियों ने किया प्रदर्शन

भिवानी. जनसंघर्ष समिति भिवानी के नेतृत्व में स्थानीय विद्या नगर व कीर्ति नगर के नागरिकों ने पिछले एक सप्ताह से पीने के पानी की आपूर्ति नहीं होने से खफा होकर मंगलवार को जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के खिलाफ उनके कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया तथा अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन दिया। विभाग के अधीक्षण अभियंता सुनील रंगा व कार्यकारी अभियंता कपिल वर्मा ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि खराब मोटरें ठीक करवाकर सांयकाल तक पानी की आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। जनसंघर्ष समिति के नेता सुखदेव पालवास, किसान नेत्री संतोष देशवाल, विद्या नगर निवासी हरभगवान रहेजा, सुरेश भारद्वाज, पूर्व प्राचार्य दिलबाग सिंह ग्रेवाल व किसान नेता बलबीर सिंह बजाड़ ने अधिकारियों को बताया कि आए दिन विभाग की मोटरें खराब हो जाती हैं और विभाग के अधिकारी नागरिकों के फोन भी नहीं उठाते हैं। हार-थककर परेशान नागरिक विभाग के अधिकारियों के खिलाफ आंदोलन करने पर मजबूर है। उन्होंने कहा कि एक दिन छोड ?र पानी देते हैं और उसका भी विभाग द्वारा पानी आपूर्ति का भी कोई निश्चित समय नहीं होता, रात भर कालोनी वासी जागते रहते है, आराम भी नहीं करपाते। जनसंघर्ष समिति के संयोजक कामरेड ओमप्रकाश का कहना है कि कोंट रोड़ व हनुमान गेट पर भी एक सप्ताह से पानी नहीं पहुंच रहा है। पीने का पानी नहीं आने से गर्मी के मौसम में हाहाकार मचा है। उन्होंने कहा कि विभाग के अधिकारी लोगों की समस्या के प्रति संवेदनशील नहीं है, क्योंकि सत्ताधारी पार्टी का नेतृत्व भी जनता की समस्यायों के प्रति गंभीर व संवेदनशील नहीं होने का फायदा उन्हें मिल जाता है। जब विभाग में एक पानी आपूर्ति मोटर खराब होती है तो उसका विकल्प भी होना चाहिए, परन्तु विभाग जब तक खराब मोटर ठीक नहीं हो जाती, तब तक पानी आपूर्ति बंद कर देता है और लोग परेशान हो जाते हैं और पूरा सप्ताह या इससे ज्यादा समय त क मोहल्ले या कालोनी में हाहाकार मच जाता है। उन्होंने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि वह महकमें में प्रयाप्त स्टाफ भर्ती न करके उसे खत्म करना चाहती है.

अब आश्वासन नहीं, समाधान चाहिए

निकाय कर्मचारियों का हल्ला बोल, भूख हड़ताल के दूसरे दिन गूंजा भिवानी, सरकार को दी चेतावनी

पंचकूला ऑब्जर्वर

भिवानी. प्रदेश के नगर निकायों (नगरपालिका, परिषद और नगर निगम) के कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों और सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ निर्णायक जंग का ऐलान कर दिया है। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर प्रदेश भर में जारी दो दिवसीय क्रमिक भूख हड़ताल मंगलवार को दूसरे दिन भी पूरी आक्रामकता के साथ जारी रही। स्थानीय नगर परिषद कार्यालयों के बाहर कर्मचारियों का भारी जोश और सरकार के प्रति आक्रोश साफ देखने को मिला। इसी कड़ी में भिवानी नगर परिषद कार्यालय के बाहर दूसरे दिन भी सफाई कर्मचारी क्रमिक भूख हड़ताल पर डटे रहे। नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव पुरूषोत्तम दानव के नेतृत्व में भिवानी में आयोजित इस क्रमिक भूख हड़ताल में कर्मचारियों ने सरकार पर वादाखिलाफी का गंभीर आरोप लगाए तथा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और स्पष्ट किया कि अब वे केवल खोखले आश्वासनों से संतुष्ट होने वाले नहीं हैं। इस मौके पर नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव पुरूषोत्तम दानव ने सरकार की मंशा पर कड़े सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार और संघ के बीच कई दौर की वार्ताएं हो चुकी हैं, लेकिन मानी गई मांगों को धरातल पर लागू करने के मामले में सरकार की नीयत साफ नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1997 से लेकर 2026 तक सफाई और सीवर कर्मचारियों की कोई पक्की भर्ती नहीं की गई है। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि सीधे तौर पर एक वर्ग के साथ किया जा रहा सामाजिक भेदभाव है। उन्होंने कहा कि सफाई और सीवर कर्मियों के साथ 29 वर्षों का सामाजिक भेदभाव अब बर्दाश्त नही किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी मांगों में दैनिक वेतन भोगी और एचकेआरएन कर्मचारियों के लिए 2 वर्ष की विशेष पॉलिसी बनाकर उन्हें तुरंत पक्का किया जाए, समान काम-समान वेतन के सिद्धांत को लागू किया जाए और कच्चे कर्मचारियों को भी पक्के कर्मचारियों की तरह चिकित्सा प्रतिपूर्ति और ग्रेच्युटी दी जाए, सफाई व सीवर कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन 30 हजार रुपये तय हो और मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार 2100 रुपये की बढ़ोतरी को तुरंत लागू किया जाए, जान जोखिम में डालकर काम करने वाले ड्राइवरों, इलेक्ट्रीशियन और सफाईकर्मियों को 5 हजार रुपये मासिक जोखिम भत्ता मिले, पुरानी पेंशन योजना को अविलंब बहाल किया जाए आदि है। पुरूषोत्तम दानव ने दो टूक शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार इस सांकेतिक भूख हड़ताल के बाद भी नहीं जागी, तो आंदोलन को उग्र रूप दिया जाएगा।

जिसके तहत एक और दो मई को पूरे प्रदेश में दो दिवसीय पूर्ण काम छोड़ हड़ताल की जाएगी। यदि 2 मई तक समाधान नहीं निकला तो संघ राज्यव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को मजबूर होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। मंगलवार को क्रमिक भूख हड़ताल पर नीलम, आशा, शीला, सुमित्रा, मुकेश, सुभाष, बिल्लू, रवि, मालती, वजीर सुमित बैठे। इस अवसर पर अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

आपकी बेटी-हमारी बेटी योजना के तहत ढ़ाग्यान पाना आंगनबाड़ी केंद्र में एलआईसी बौंड किए वितरित

पंचकूला ऑब्जर्वर

भिवानी. हरियाणा सरकार द्वारा बेटियों के सुरक्षित भविष्य और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाई जा रही आपकी बेटी-हमारी बेटी योजना के तहत मंगलवार को भिवानी के ढ़ाग्यान पाना आंगनबाड़ी केंद्र में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उन पात्र परिवारों को एलआईसी के बौंड वितरित किए गए, जिन्होंने योजना के तहत आवेदन किया था।

यह कार्यक्रम भिवानी के उपायुक्त साहिल गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा, जिला कार्यक्रम अधिकारी वैशाली और महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी किरण के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर प्रगति ने लाभार्थी महिलाओं को एलआईसी बौंड वितरित किए। बौंड पाकर महिलाओं के चेहरे खिल उठे और उन्होंने सरकार की इस पहल की सराहना की।

इस अवसर पर सुपरवाइजर प्रगति ने कहा कि सरकार की आपकी बेटी-हमारी बेटी योजना बेटियों के प्रति समाज की सोच बदलने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। विभाग का प्रयास है कि कोई भी पात्र परिवार इस लाभ से वंचित न रहे। यह राशि केवल एक आर्थिक मदद नहीं है, बल्कि बेटी की शिक्षा और उसके बेहतर भविष्य की नींव है।

सुपरवाइजर प्रगति ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत सरकार द्वारा 21 हजार रूपये का एलआईसी बौंड दिया जाता है। इस राशि पर सरकार की निर्धारित दरों के अनुसार ब्याज मिलता रहता है,

जिससे बेटी के 18 वर्ष का होने तक एक अच्छी-खासी धनराशि एकत्रित हो जाती है। उन्होंने बताया कि यदि परिवार अनुसूचित जाति वर्ग से है या बीपीएल श्रेणी में आता है तो पहली बेटी के जन्म पर इस योजना का लाभ मिलता है। दूसरी और तीसरी बेटी के जन्म पर किसी भी जाति या आय वर्ग का बंधन नहीं है।

कार्यक्रम के अंत में विभाग के अधिकारियों ने उपस्थित महिलाओं को प्रेरित किया कि वे अपने आसपास के लोगों को भी इस योजना के बारे में बताएं।

एक्टिंग नहीं छोड़ रहे हैं करण वाही

टीवी से वेब सीरीज का सफर तय करने वाले अभिनेता करण वाही 'रीमिक्स', 'दिल मिल गए', 'नेवर किस योर बेस्ट फ्रेंड' (सीजन 2) और 'चन्ना मेरेया' जैसे कई शो में अभिनय करने के बाद घर-घर में मशहूर हो गए। हाल ही में उन्होंने अपने आध्यात्मिक सफर और जीवन में कुछ देर बाद अपने विश्वासों तक पहुंचने के बारे में खुलकर बात की। सोशल मीडिया पर उनके ये बयान वायरल होने के बाद कई लोगों ने कयास लगाए कि करण अभिनय पूरी तरह छोड़ने वाले हैं। चर्चाओं के बढ़ने के बाद अब अभिनेता ने इसके पीछे की सच्चाई बताई है। करण वाही ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट का जवाब दिया, जिसे बाद में हटा दिया गया था। उस पोस्ट में कहा गया था कि अभिनेता ने आध्यात्मिकता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अभिनय से दूरी बनाने का फैसला किया है। इस पोस्ट को स्टोरी पर साझा करते हुए करण ने कैप्शन में लिखा, 'आध्यात्मिक होने का मतलब यह नहीं है कि मुझे अपना काम छोड़ना होगा। कृपया वायरल होने के लिए अफवाहें न फैलाएं। संबंधित व्यक्ति से अनुरोध है कि इस पोस्ट को हटा दें और झूठ न फैलाएं। धन्यवाद।'
वर्कफ्रंट की बात करें तो करण वाही को हाल ही में सोनी लिव पर स्ट्रीम करने वाली रोमांटिक थ्रिलर सीरीज 'रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी' (2024) में देखा गया था।

अफेयर की चर्चाओं के बीच धनुष की फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी मृणाल!

पिछले साल मृणाल ठाकुर और धनुष के रिश्ते को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही थीं। यहां तक कि दोनों की शादी तक कीं अफवाहें बी-टाउन की गलियों में फैली थीं। हालांकि, मृणाल ने कई बार इन्हें अफवाहें बताकर खारिज किया। अब एक बार फिर मृणाल और धनुष चर्चाओं में हैं, लेकिन इस बार वजह पर्सनल नहीं बल्कि प्रोफेशनल है। चर्चाएं हैं कि मृणाल ठाकुर धनुष के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में प्रमुख भूमिका में नजर आ सकती हैं।

धनुष करेंगे फिल्म का निर्देशन

इंडिया टुडे में छपी एक खबर के मुताबिक, एक महिला प्रधान फिल्म पर काम चल रहा है और मृणाल ठाकुर को मुख्य भूमिका के लिए चुना जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में महिला मुख्य कलाकार के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी और बातचीत अंतिम चरण में है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ अन्य खबरों के अनुसार, धनुष इस फिल्म का निर्देशन कर सकते हैं, जो 1960 या 1970 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी। आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी तक मेकर्स की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

उड़ी थीं मृणाल और धनुष के अफेयर की खबरें

धनुष और मृणाल ठाकुर के बारे में अफवाहें पिछले साल अगस्त 2025 से फैलनी शुरू हुई थीं। जब दोनों को मृणाल की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के प्रीमियर पर एक साथ देखा गया। इससे पहले धनुष की फिल्म 'तेरे इश्क में' की रैप पार्टी में भी मृणाल ठाकुर की मौजूदगी ने सबका ध्यान खींचा था। सोशल मीडिया पर धनुष के परिवार के सदस्यों को फॉलो करते हुए मृणाल के देखे जाने के बाद अटकलें और तेज हो गईं। बाद में मृणाल ठाकुर ने अपनी फिल्म 'दो दीवाने शहर में' के प्रमोशन के दौरान अपनी शादी की अफवाहों को खारिज किया था। उन्होंने इन चर्चाओं को सिर्फ अफवाह बताया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे धनुष

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल हाल ही में आदिवी शेष के साथ फिल्म 'डकैत' में नजर आईं। इस एक्शन रोमांटिक ड्रामा को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं और बॉक्स ऑफिस पर इसकी शुरुआत धीमी रही। वहीं धनुष अपनी अगली फिल्म 'कारा' की तैयारी में जुटे हैं, जो 1991 के खाड़ी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। यह फिल्म 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

जैकी भगनानी न रकुल प्रीत सिंह से शादी के कारणों आपसी बॉन्डिंग को लेकर बात की

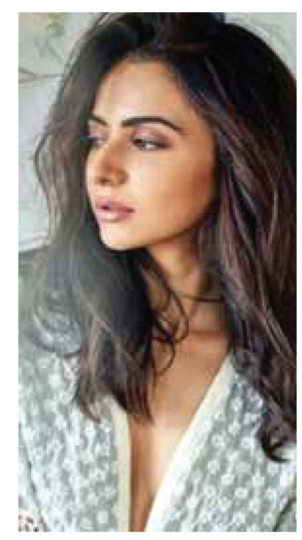

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी बी-टाउन के क्यूट कपल में से एक हैं। दोनों अक्सर साथ में कपल गोल देते रहते हैं। हाल ही में जैकी भगनानी ने अपने रिश्ते को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि शादी के बावजूद वह अपने रिश्ते को सिचुएशनशिप की तरह मानते हैं। साथ ही जैकी ने आपस की बॉन्डिंग को लेकर भी बात की। हाल ही में जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह ने शादी के कारणों और अपने रिश्ते में आए बदलावों के बारे में बात की। जैकी ने बताया कि हमने एक-दूसरे से कहा कि अब हम 20-21 साल के नहीं हैं। हम दोनों ने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से खुशमिजाज इंसान हूं। मैं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश नहीं कर रहा जो मेरे जीवन की कमी को पूरा कर सके, क्योंकि अगर मैं उदास रहूंगा, तो चाहे कोई भी मेरे जीवन में आए, मैं उदास ही रहूंगा। तुम भी व्यक्तिगत रूप से खुश हो। साथ में हम और भी खुश हैं। इस पर रकुल ने कहा कि वे एक-दूसरे के जीवन की कमी को पूरा कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि तुम मुझे छुट्टी पर नहीं ले गए, इसलिए मैं दुखी हूं। मैं अकेले भी छुट्टी पर जा सकती हूं। मुझे लगता है कि जीवन में बात करने के लिए और भी महत्वपूर्ण बातें हैं।

इस दौरान जैकी ने कहा कि रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हमारा रिश्ता एक तरह का सिचुएशनशिप है। इसका मतलब है कि हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं, क्योंकि शादी इसी वजह से हुई है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं उससे हर बात खुलकर कह सकता हूं। अगर रकुल के आस-पास होने पर मेरी कोई एक्स गर्लफ्रेंड मुझे फोन करती है, तो मैं स्पीकरफोन पर बात करने में जरा भी संकोच नहीं करता। यह जताते हुए कि मैं अपनी पत्नी से कुछ भी नहीं छिपाता। मैं कुछ भी नहीं छिपाता, इसलिए मुझे घुटन महसूस नहीं होती।

घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं अकेलापन महसूस करने लगी थी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री मालविका मोहनन अक्सर अपनी फिल्मों और ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। लेकिन, चमकती दुनिया के पीछे कलाकारों की जिंदगी में कई बार ऐसा अकेलापन भी होता है, जिसके बारे में लोग कम ही जानते हैं। हाल ही में मालविका ने अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की और बताया कि एक समय ऐसा आया था, जब वह अंदर से काफी टूट गई थीं। उन्होंने बताया कि परिवार और अपनों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। दरअसल, मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन रखा था। इस दौरान फैंस ने उनसे कई निजी और प्रोफेशनल सवाल पूछे। इसी बीच एक फैन ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने कहा, ''पिछले महीने मैं काम के सिलसिले में चेन्नई में थीं। वहां मुझे लंबे समय तक रुकना पड़ा था। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी ठीक चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थीं।''
उन्होंने कहा, ''दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद जब मैं रात में अपने होटल के कमरे में लौटती थीं, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यही चीज मुझे अंदर से परेशान करने लगी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी। लगातार अकेले रहने का असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसके वजह से मुझे रोना आता था।''
अपने निजी अनुभव साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं। मालविका ने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने बताया कि इस फिल्म का नाम 'पॉकेट नॉवेल' है और यह इसी साल रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, ''इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए खास अनुभव रहा है।''

मर्दानी 3 की सफलता से खुश रानी मुखर्जी बोलीं- शिवानी शिवाजी रॉय लोगों के दिलों की आवाज बन चुकी है

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने यूं तो पर्दे पर कई रोल निभाए, लेकिन उनका शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार लोगों का हमेशा से पसंदीदा रहा, जिसे उन्होंने मर्दानी फ्रेंचाइजी में निभाया है। हाल ही में रिलीज हुई मर्दानी 3 को जिस तरह से थिएटर और ओटीटी दोनों जगह दर्शकों का प्यार मिला है, उससे रानी मुखर्जी काफी खुश हैं। रानी मुखर्जी ने कहा, मर्दानी 3 का सफर मेरे लिए काफी इमोशनल है। पहले यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई और वहां इसने शानदार प्रदर्शन किया। एक महिला लीड एक्शन फिल्म होने के बावजूद इसने कई बड़े माइलस्टोन पार किए, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। इसके बाद जब यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर आई, तो वहां भी इसे दुनिया भर के दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला और यह लगातार टॉप फिल्मों में ट्रेंड करती रही। उन्होंने आगे कहा, किसी फिल्म का थिएटर में सफल होना एक बात है, लेकिन जब वही फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी लंबे समय तक ट्रेंड करती रहती है, तो यह इस बात का सबूत होता है कि कहानी लोगों के दिलों में गहराई से उतर चुकी है। यह सफलता मेरे लिए बेहद गर्व भरे पल लेकर आई है। दर्शक अब कंटेंट को सिर्फ स्टार पावर से नहीं, बल्कि उसकी कहानी और संदेश से भी जोड़कर देखते हैं।

रानी मुखर्जी ने कहा, इस फिल्म की सफलता एक ब? बदलाव का संकेत है। अब दर्शक सिर्फ पारंपरिक कहानियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे ऐसी कहानियां भी देखना चाहते हैं जिनमें मजबूत महिला किरदार हों और जो समाज से जु? मुद्दों को उठाती हों।

उन्होंने कहा, आज के समय में दर्शक ऐसी फिल्मों को स्वीकार कर रहे हैं जो सोचने पर मजबूर करती हैं। अगर किसी कहानी में ईमानदारी, भावना और मजबूत नैतिक संदेश होता है, तो वह कहानी किसी भी सीमा को पार कर सकती है और दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंच सकती है। रानी मुखर्जी ने कहा, मर्दानी फ्रेंचाइज़ी को लोग अब दोबारा देख रहे हैं और उससे जुड़ रहे हैं। यह मेरे लिए बहुत खास बात है क्योंकि इसका मतलब है कि यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि एक लगातार चलने वाला संदेश बन गई है, जो समय के साथ और भी मजबूत होता जा रहा है। उन्होंने अपने किरदार शिवानी शिवाजी रॉय के बारे में कहा, यह अब सिर्फ एक फिल्मी किरदार नहीं रहा। यह किरदार अब लोगों के बीच अपनी जगह बना चुका है। शिवानी शिवाजी रॉय लोगों के दिलों की आवाज बन चुकी है।

आप जैसे हैं, वैसे ही पर्याप्त हैं; बाहरी दिखावे की जरूरत नहीं : संदीपा धर

आज के समय में सुंदर दिखने की होड़ ने आम लोगों से लेकर सितारों तक को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। परफेक्ट फिगर पाने के लिए डाइटिंग, जिम और खाने-पीने पर सख्त पाबंदियां अब जीवन का हिस्सा बन चुकी है। इसी मुद्दे को हालिया रिलीज फिल्म दो दीवाने सहर में में दिखाया गया है। फिल्म में अभिनेत्री संदीपा धर ने नैना नाम की लड़की का किरदार निभाया है, जो सोशल मीडिया और समाज के दबाव में परफेक्ट दिखने की कोशिश में अपनी असली पहचान खो देती हैं। मंगलवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक सीन पोस्ट किया। इस वीडियो में वे खूबसूरत और परफेक्ट बनने के सफर को बयां करती हैं। वे कहती हैं कि उन्हें ठीक से याद तक नहीं है कि आखिरी बार उन्होंने पेट भरकर खाना कब खाया था। अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, मुझे नैना के इस सीन के लिए आप सभी के ढ़ेर सारे मैसेज मिल रहे हैं। नैना का इस कदर टूटना उस झूठ का नतीजा है, जो हमें बचपन में सिखाया गया है। हमें बताया गया है कि हम तभी बेहतर कहलाएंगे, जब हम 5 किलो वजन कम कर लेंगे, जब हमें प्रमोशन मिल जाएगा या जब हम पूरी तरह परफेक्ट दिखेंगे। संदीपा आगे लिखती हैं कि नैना के साथ-साथ उन्होंने यह भी महसूस किया है कि इंसान जैसा है, वैसा पर्याप्त और पूरा है। खुश रहने के लिए किसी बाहरी दिखावे या दूसरों की मंजूरी की जरूरत नहीं है। रवि उद्यावर द्वारा निर्देशित फिल्म में संदीपा के अलावा, सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर भी मुख्य भूमिका में है। फिल्म में अभिनेत्री संदीपा दिखने में बेहद खूबसूरत और खुशमिजाज लगती है, लेकिन अंदर से वह बेहद अकेली, पहचान खोने के डर और दूसरों से तारीफ पाने की भूख से जूझती है। अभिनेत्री संदीपा का किरदार आज की उन लड़कियों का प्रतिनिधित्व करता है, जो समाज के बनाए परफेक्ट होने के मापदंडों के नीचे दबी हुई हैं। 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया ही मिली थी।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com